

8
6
6
0
0

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

Term-End Examination

December, 2010

(APPLICATION ORIENTED COURSE)

**AED-1 : EXPORT PROCEDURES AND
DOCUMENTATION**

Time : 2 hours

Maximum Marks : 50

*Note : Answer any four questions, including question No. 7
which is compulsory.*

1. For a systematic development of export business, an exporter would like to know about the market conditions and business practices in foreign countries. List some of the important institutions he can approach and publications he can consult. Give a detailed description of any ONE of them. 6+6=12

2. List out the documents which are needed in compliance of regulatory authorities in exporting and importing countries. Give a detailed description of any ONE of them. 8+4=12

3. Discuss the role of Export Credit and Guarantee Corporation in covering risks in export business. Is it different from that of general insurance companies ? Clarify. 8+4=12
4. Can you export without permission from the custom authorities ? What is the objective of customs control ? Discuss the document(s) that need to be filed for obtaining the customs clearance. 2+4+6=12
5. Discuss the role of clearing and forwarding agents in facilitating export-import trade. Enumerate the various services provided by C & F Agents. 6+6=12
6. Discuss the role of Export-Import Bank of India in promoting exports. Enumerate the various financing schemes offered by the Bank. Are these scheme different from those of commercial banks? Discuss. 6+6=12
7. Write short notes on *any two* of the following : 7+7=14
- (a) Procedure for shipment in Air.
 - (b) Port procedure.
 - (c) Procedure for claiming rebate in central excise under Rule.
 - (d) Containerisation.

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2010

(व्यवहारमूलक पाठ्यक्रम)

ए.ई.डी.-1 : निर्यात प्रक्रिया व प्रलेखीकरण

समय : 2 घण्टे

अधिकतम अंक : 50

नोट : किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए जिनमें प्रश्न संख्या-7 शामिल हो जो कि अनिवार्य है।

1. निर्यात व्यवसाय के व्यवस्थित विकास के लिए, एक निर्यातकर्ता विदेशों के बाजारों के हालात एवं व्यावसायिक पद्धतियों के बारे में जानना चाहेगा। इस संदर्भ में कुछ महत्त्वपूर्ण संस्थाओं एवं प्रकाशनों का उल्लेख कीजिए तथा इन में से किसी एक का विस्तृत वर्णन कीजिए। 6+6=12
2. उन प्रलेखों का उल्लेख कीजिए जिनकी निर्यातक एवं आयतक देशों के नियामक प्राधिकारियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जरूरत पड़ती है। इन में से किसी एक का विस्तृत वर्णन कीजिए। 8+4=12
3. निर्यात व्यापार के जोखिमों के संरक्षण में निर्यात ऋण गारंटी निगम (ECGC) की भूमिका का विवेचन कीजिए। क्या यह सामान्य बीमा कंपनियों से भिन्न है? स्पष्ट कीजिए। 8+4=12

4. क्या आप सीमाशुल्क प्राधिकारियों की अनुमति के बगैर निर्यात कर सकते हैं? सीमाशुल्क नियंत्रण का क्या उद्देश्य है? उन प्रलेखों, जिन्हें सीमाशुल्क की निकासी के लिए फाइल करना पड़ता है, का विवेचन कीजिए। $2+4+6=12$
5. आयात-निर्यात व्यापार को सुविधाजनक बनाने में निकासी एवं अग्रोषण एजन्टों की भूमिका का विवेचन कीजिए। इन के द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं का उल्लेख कीजिए। $6+6=12$
6. निर्यात संवर्धन में भारतीय निर्यात-आयात (EXIM) बैंक की भूमिका का वर्णन कीजिए। इस बैंक द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न वित्तीयन योजनाओं का उल्लेख कीजिए। क्या ये योजनाएं (कार्यक्रम) व्यापारिक बैंकों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं से भिन्न हैं? विवेचन कीजिए। $6+6=12$
7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए : $7+7=14$
- (a) वायुमार्ग द्वारा माल भेजने की क्रियाविधि
 - (b) बंदरगाह संबंधी औपचारिकताएं (Port procedure)
 - (c) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क छूट का दावा करने की कार्यविधि
 - (d) कन्टेनरीकरण (containerisation)
-